पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग,उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने गुरु नानक देव जी की जयन्ती पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं

लखनऊ : 23 नवम्बर, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने ने सिख पंथ के प्रथम गुरू एवं महान संत गुरु नानक देव जी की जयन्ती के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने गुरु नानक देव जी के आदर्शों एवं शिक्षाओं का स्मरण करते हुए सभी के सुख, शान्ति, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की है।

मुख्यमंत्री जी ने अपने संदेश में कहा कि गुरु नानक देव जी का सम्पूर्ण जीवन सत्य, सेवा, करुणा और मानवता के प्रति समर्पण की अनुपम प्रेरणा है। उन्होंने मानव सेवा के साथ समाज को समानता, प्रेम और भाईचारे का सन्देश दिया। गुरु नानक देव जी ने जाति, पंथ और सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान, समान अधिकार और कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। उनकी शिक्षाएं हमें यह सन्देश देती हैं कि मानवता की सेवा ही सच्ची आध्यात्मिकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने 'किरत करो, नाम जपो और वंड छको' के माध्यम से जीवन को सार्थक बनाने का मार्ग दिखाया। ईमानदारी एवं परिश्रम से आजीविका अर्जित करना, ईश्वर का स्मरण करना तथा अपनी कमाई को जरूरतमंदों के साथ साझा करना उनकी शिक्षाओं का मूल भाव है। उनकी यह शिक्षाएं आज भी समाज में श्रम के सम्मान, परस्पर सहयोग, सामाजिक समरसता और सद्भाव को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देती हैं। गुरु नानक देव जी की वाणी आडम्बर से दूर रहकर सत्य, सदाचार और सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान करती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुरु नानक देव जी की जयन्ती हमें अपने जीवन में सेवा, विनम्रता, परोपकार और मानव कल्याण के मूल्यों को आत्मसात करने का अवसर प्रदान करती है। समाज में कोई भी व्यक्ति अभाव, भेदभाव अथवा उपेक्षा का अनुभव न करे, इसके लिए हम सभी को अपने स्तर पर संवेदनशीलता, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों से गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं एवं आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कामना की कि गुरु नानक देव जी की दिव्य वाणी से सभी का जीवन प्रेम, करुणा और सदाचार से आलोकित हो तथा प्रदेश में सामाजिक समरसता, भाईचारा और लोककल्याण की भावना निरन्तर सुदृढ़ होती रहे।

———————